रजिस्ट्रेशन संख्या :— R.N.I. 36355 / 79
डाक पंजीकरण संख्या :— के पी सिटी— 67 / 2018—20

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा—विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

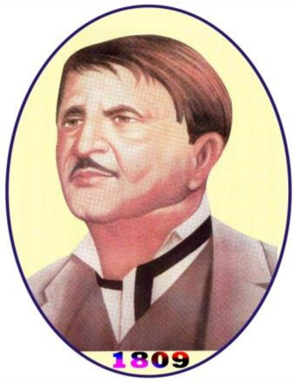
1809

पत्र व्यवहार हेतु पता
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127 / 204 'एस' जूही,
कानपुर—208014

वर्ष —42 ● अंक —2 ● कानपुर 16 से 31 जनवरी 2020 ● प्रधान सम्पादक — डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹100

मैटी का 211 वाँ जन्मोत्सव सहर्षोल्लास सम्पन्न

इलेक्ट्रो होम्योपैथी हानि रहित चिकित्सा पद्धति है

गजेन्द्र सिंह शेखावत — जलशक्ति मंत्री भारत सरकार

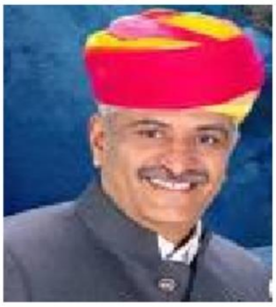

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के जन्मदाता डा0 काउण्ट सीज़र मैटी का 211वां जन्मोत्सव धूम – धाम व हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ इस वर्ष मैटी जयन्ती सप्ताह समारोह 4 जनवरी से 11 जनवरी तक मनाया गया, बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के प्रशासनिक कार्यालय जूही में कार्यक्रम का प्रारम्भ मैटी के चित्र पर माल्यापर्ण व अतिथियों के स्वागत से हुआ, इस अवसर पर अपने विचार देते हुए बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने कहा कि आज का दिन अपने आप में एक अलग उत्साह लेकर आता है क्योंकि आज के ही दिन इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी का जन्म हुआ था, इलेक्ट्रो होम्योपैथी विधा से प्रशिक्षित व्यक्तियों को इलेक्ट्रो होम्योपैथी विधा में चिकित्सा, शिक्षा , रजिस्ट्रेशन , अनुसंधान एवं विकास कार्य करने के लिए कोई रोक नहीं है, रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद ने मैटी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की, कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा ने कहा कि प्रतीक्षा की घड़ियां समाप्त हो चुकी हैं सकारात्मक परिणाम दरवाज़े पर हैं और किसी भी समय कोई अच्छी खबर मिल सकती है ।

डा0 इदरीसी एवं श्रीमती शाहीना इदरीसी ने बर्थ डे का केक काटते हुए लोगों को आज के दिन की बधाई दी और सभी चिकित्सकों से अपील की कि आप निडर होकर प्रैक्टिस करें।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डा0 राम औतार कुशवाहा, डा0 संजय कुमार द्विवेदी, डा0 प्रमोद सिंह ,मो0 वसीम इदरीसी, नसीम इदरीसी, डा0 मारिया इदरीसी, डा0 वाई0 आई0 खान, डा0 जी0 डी0 वारसी, दरख्शा परवीन, डा0 शर्मा आदि उपस्थित थे।

मैटी जयन्ती सप्ताह समारोह का एक कार्यक्रम जयपुर में कैन्सर को रोकने के उपाय से सम्बन्धित एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें भारत सरकार के जलशक्ति मंत्री माननीय गजेन्द्र सिहं शेखावत सम्मिलित हुए कार्यक्रम में माननीय मंत्री जी ने अपने विचार देते हुए कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी हानिरहित चिकित्सा पद्धति है उन्होंने कहा कि जिस तरह से इलेक्ट्रो होम्योपैथी कैन्सर के इलाज में कारगर साबित हो रही है इसे आगे बढ़ाने की ज़रूरत है,वैशालीनगर स्थित आर0 बी0 आडिटोरियम में इलेक्ट्रो होम्योपैथी सेमिनार के अन्तिम दिन इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सकों को सम्बोधित कर रहे थे उन्होंने बताया कि एक रिपोर्ट के अनुसार 12.7 मिलियन से अधिक लोगों में कैन्सर की पहचान की गयी है, हर वर्ष 7 मिलियन लोग इस बीमारी से मरते हैं जिस तरह से देश में आज कैन्सर के मरीज़ बढ़ रहे हैं वह एक चिन्ता का विषय है।

कैन्सर से लाखों जीवन बचाने के लिए इस दिन को वार्षिक उत्सव मानने की योजना शुरू की जा चुकी है जिसमें लोगों को कैन्सर से बचने के लिए सही खान पान, नियमित व्यायाम तथा सही आदतों के बारे में समझाया जायेगा, राजस्थान विधान सभा में उप नेता प्रतिपक्ष श्री राजेन्द्र राठौर ने कहा कि इस चिकित्सा पद्धति के लिए मैं सरकार से बोर्ड का गठन कराने के लिए पूरा प्रयत्न करूगां इस अवसर पर जयपुर शहर के सांसद श्री रामचरन बोहरा, वरिष्ठ पत्रकार श्री गुलाब कोठारी, डा0 हेमन्त सेठिया, डा0 देवराज पुरोहित, डा0 अशोक पारिख, डा0 संजय शर्मा, डा0 योगेन्द्र पुरोहित आदि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक कार्यक्रम में मौजूद थे।

इस अवसर पर लगायी गयी प्रर्दशनी को पूर्व चिकित्सा मंत्री श्री राजेन्द्र सिहं राठौर ने सराहा और कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को डा0 हेमन्त सेठिया ने राज्य में एक पौधे की तरह पाला है और आज के युग में एलोपैथी दवायें एवं विज्ञान जितना प्रवाह कर रहा है उतने ही रोग बढ़ रहे हैं उसी जगह इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति देश में असाध्य रोगों मे लोहा मनवा रही है श्री राठौर ने यह भी कहा कि वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के लिए जो कुछ भी बन सकेगा उसके लिए वह पूरा प्रयत्न करेंगे उन्होने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को आज की आवश्यकता बताया।

पादरी विक्टर खोजी ने की प्रार्थना
प्रार्थना सभा में लोगों की रही भीड़
निडर होकर करें अपनी पद्धति से प्रैक्टिस
राजस्थान में भी मैटी जयंती की रही धूम
राजस्थान में हुआ सेमिनार
आज के दिन का है विशेष गौरव

सेमिनार में उड़ीसा से पधारे कैंसर रोग विशेषज्ञ डा0 कमलकान्त नायक ने कैंसर रोग पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियों का उल्लेख भी किया उन्होंने कहा कि यदि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियों का प्रयोग किया जाये तो कैंसर जैसी भयानक बीमारी से बचा जा सकता है, डा0 हेमन्त सेठिया ने भी इस अवसर पर कैंसर रोग पर चर्चा की तथा इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियों को लाभकारी बताया।

सेमिनार में बानसूर की विधायक शंकुन्तला रावत ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जवलित किया तथा इस अवसर पर कहा कि वह सदैव इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए तत्पर रही हैं, विधान सभा में भी इसके विकास के लिए लगातार आवाज़ उठाती रहेंगी, जब तक बोर्ड के गठन का कार्य पूर्ण नहीं हो जायेगा तब तक उनका समर्थन एवं सहायोग लगातार इसी प्रकार जारी रहेगा।

डा0 जसवन्त सिहं ने मुख कैंसर, डा0 संजीव शर्मा ने मल्टीपल माईलोमा तथा डा0 जगतार सिंह ने लीवर कैंसर पर अपने व्याख्यान दिये, इलेक्ट्रोपैथी शिक्षा परिषद के अलवर जिला सचिव डा0 श्यामसुन्दर पाटोदिया ने बताया कि इस सेमिनार में लगभग 620 चिकित्सकों ने भाग लिया है उन्होंने यह भी बताया कि अलवर ज़िले के सरकारी अस्पताल में विधायक रावत के सहयोग से इलेक्ट्रो होम्योपैथी डिस्पेंसरी चलवाने की बात भी हुई है तथा विधायक निधि से 20—30 लाख बजट इस पद्धति के सहयोग के लिए व्यवस्था करने की बात कही है, विशिष्ट अतिथि राजस्थान शिक्षक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सर्वश्री पी0 एल0 सैनी एवं उपाध्यक्ष जोरावर सिंह, बख्तावर सिंह जयपुर शहर के महासचिव श्री मालवीय एवं पं0 करन शर्मा आदि कार्यक्रम में उपस्थित थे।

शेष पेज 4 पर

मैटी बर्थडे केक काटने से पूर्व प्रार्थना कराते पादरी विक्टर खोजी, इंसेट में चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी केक काटते नीचे अतिथिगण प्रार्थना करते हुये— छाया गज़ट

अनावश्यक होड़

इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के सम्बन्ध में वर्तमान स्तर पर गम्भीरता से विचार करने के बजाय हम चिकित्सा की होड़ में लग गये है और चिकित्सा वह भी कैन्सर रोग की, यह बात अच्छी है कि हम एक ऐसे रोग की चिकित्सा करने का प्रयास कर रहे हैं जो अब तक असाध्य की श्रेणी में बना हुआ है, सरकार द्वारा इस रोग के इलाज के लिए बहुत बड़ी धनराशि खर्च की जाती है इसके बावजूद इस रोग पर आशातीत सफलता नहीं मिल पा रही है जहां तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी की बात है अभी यह चिकित्सा पद्धति मान्यता के प्रथम पायदान को भी पार नहीं कर सकी है क्योंकि भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा स्पष्ट कर दिया गया है कि जब तक निर्धारित मापदण्ड पूरे नहीं किये जायेंगे तब तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता नहीं दी जा सकती है, उसने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि राज्य सरकार चाहे तो अपने स्तर से इसके नियमन के लिए कानून बना सकती हैं इस दिशा में कुछ राज्यों में प्रगति भी हुई है किन्तु किसी भी राज्य सरकार ने स्पष्ट दिशा निर्देश जारी नहीं किये हैं सिवाय उत्तर प्रदेश राज्य सरकार को छोड़कर।

वर्ष 2020 में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए देश की अनेक राष्ट्रीय/प्रान्तीय एवं स्थानीय स्तर की संस्थाओं द्वारा अनेक कार्यक्रम घोषित किये गये थे, निर्धारित योजनानुसार कार्यक्रम आरम्भ भी कर दिये गये हैं, अच्छे मुहूर्त के साथ 4 जनवरी, 2020 से यह कार्यक्रम पूरे देश में ज़ोर शोर से आरम्भ हो चुके हैं, इसे संयोग ही कहा जायेगा कि बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 4 जनवरी को अधिकारिता दिवस के रूप में विगत 2012 से मनाता आ रहा है, इस शुभ महूरत में पूरे देश में कैन्सर रोग के शमन के लिए एक आन्दोलन जैसा वातावरण प्रारम्भ कर दिया गया है प्रारम्भिक अवस्था में रोगियों को लाभ भी प्राप्त हो रहा है इस आन्दोलन में सहयोग के लिए अनेकों चिकित्सा संस्थान अपना योगदान भी दे रहे हैं।

भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा जिन निर्धारित मापदण्डों की पूर्ति के उपरान्त मान्यता प्रदान करने की बात कही जा रही है उनकी पूर्ति के बिना मान्यता प्राप्त करना असम्भव है यदि संयुक्त संशोधित प्रपोज़लकर्ता एवं प्रपोज़लकर्ताओं का दूसरा समूह वांछित की पूर्ति कर देता है तो निःसन्देह इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता सरकार द्वारा प्रदान कर दी जायेगी, मान्यता के अभाव में किये गये कार्यों का मूल्यांकन कैसे होगा तथा सरकार आप द्वारा किये गये कार्यों का मूल्यांकन कैसे करेगी ! क्योंकि अन्तर विभागीय समिति ने पहले ही इसके लिए मापदण्ड निर्धारित कर दिये हैं किसी नई चिकित्सा पद्धति की मान्यता के लिए एक या दो रोगों पर काम करने का मूल्यांकन औचित्य हीन है क्योंकि मान्यता के लिए समाज में प्राथमिक एवं सामुदायिक स्तर पर अनेकों रोगों का मूल्यांकन किया जाता है और मान्यता के लिए यह भी मापदण्ड निर्धारित है कि प्राथमिक एवं सामुदायिक स्तर पर उक्त चिकित्सा पद्धति जिसको मान्यता प्रदान की जानी है वह कितनी उपयोगी व प्रभावकारी है ! या यों कहिए किसी चिकित्सा पद्धति की मान्यता के लिए प्राथमिक एवं सामुदायिक स्तर पर जो स्वास्थ्य की रीढ़ की भांति है इसलिए चिकित्सा के क्षेत्र में उन रोगों के इलाज का प्रयास करना चाहिये जिनकी आवश्यकता प्राथमिक एवं सामुदायिक स्तर पर है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति की उपयोगिता तभी सिद्ध हो सकेगी जब बड़ी संख्या में उन रोगों का इलाज किया जाये जिनकी प्राथमिक एवं सामुदायिक स्तर पर बहुलता हो, इसके माध्यम से हम देश की स्वास्थ्य नीति के साथ–साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित मापदण्डों को भी पूरा कर सकते हैं जिससे इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता का मार्ग प्रशस्त हो सके।

कैन्सर एवं अन्य असाध्य रोगों का इलाज कर हम इलेक्ट्रो होम्योपैथी की गुणवत्ता को प्रदर्शित तो कर सकते हैं किन्तु उसका कोई वास्तविक लाभ नहीं उठा सकते हैं क्योंकि जब तक सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी को चिकित्सा पद्धति की मान्यता नहीं दी जाती है तब तक हमें प्राथमिक एवं सामुदायिक स्तर पर रोगियों का इलाज सघनता से करना चाहिये और किसी भी प्रकार की होड़ से बचने का प्रयास करना चाहिये।

8वाँ अधिकारिता दिवस धूम–धाम से सम्पन्न

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सकों को प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी विधा से चिकित्सा व्यवसाय करने का पूर्ण अधिकार है यह अधिकार उत्तर प्रदेश शासन के चिकित्सा अनुभाग–6 द्वारा दिनांक 04 जनवरी, 2012 को बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के नाम शासनादेश जारी कर प्रदान किया गया था इसी अवसर को मनाने के लिये प्रतिवर्ष इलेक्ट्रो इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने कहा कि आज का दिन हम सबके लिये गौरव का दिन है आज से 8 वर्ष पूर्व उत्तर प्रदेश शासन द्वारा शासनादेश जारी कर इलेक्ट्रो होम्यापैथी के क्षेत्र में कार्य करने के लिये सारी बाधायें दूर करते हुये पूर्ण अधिकार प्रदान किया था अब ज़रुरत है कि हम अपने अधिकारों को समझें और पूर्ण अर्थात जो लोग अभी तक पंजीकृत नहीं हैं वे अविलम्ब पंजीकरण करा लें।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सर्वश्री डा वाई0 आई0 खान, डा शाहीना इदरीसी, मो0 वसीम इदरीसी, डा0 मारिया इदरीसी, डा0 प्रमोद सिंह, डा0 राम औतार कुशवाहा, डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा, मो0 जफर इदरीसी आदि उपस्थित थे।

हमीरपुर – इलेक्ट्रहोम्योपैथी

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी अधिकारिता दिवस पर अपने विचार व्यक्त करते हुये – छाया गज़ट

होम्योपैथी चिकित्सकों द्वारा यह दिन अधिकारिता दिवस के रुप में मनाया जाता है।

सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए जारी आदेश का क्रियान्वयन व अनुपालन राज्य सरकारों द्वारा प्रभावी ढंग से किया जाये व अन्य मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों की भांति इस अधिकार प्राप्त चिकित्सा पद्धति को भी वह सारी सुविधायें उपलब्ध करायी जायें जो अभी तक प्राप्त नहीं हैं, भारत सरकार ने भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी से चिकित्सा, शिक्षा व अनुसन्धान के लिये 21 जून, 2011 को आदेश जारी कर दिया था।

कार्यक्रम में बोर्ड ऑफ अधिकार के साथ कार्य करते हुये जनता की सेवा करें व जनस्वास्थ्य में अपनी भागीदारी भी सुनिश्चित करें साथ ही डा0 इदरीसी ने चिकित्सकों से कहा कि जो लोग अपनी पद्धति के अतिरिक्त अन्य कोई पद्धति अपनाते हैं तो उन्हें अपने व्यवहार में सुधार लाना चाहिये, जब आपके पास पूरे अधिकार हैं तो उनका पूर्ण उपभोग करें तथा कभी भी अपने आपको कमतर न समझें।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये बोर्ड के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपनी क्षमता का परिचय दें और विधि सम्मत तरीके से व्यवस्थित होकर चिकित्सकों को प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी विधा से चिकित्सा व्यवसाय करने का पूर्ण अधिकार है यह अधिकार उत्तर प्रदेश शासन के चिकित्सा अनुभाग–6 द्वारा दिनांक 4 जनवरी, 2012 को बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के नाम शासनादेश जारी कर प्रदान किया गया था, इसी अवसर को मनाये जाने की परम्परा है, भारत सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए जारी आदेश का क्रियान्वयन व अनुपालन राज्य सरकारों द्वारा प्रभावी ढंग से किया जाये अन्य मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों की भाँति इस अधिकार प्राप्त चिकित्सा पद्धति को वह सारी सुविधायें उपलब्ध

शेष पेज 3 पर

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर वलीदपुर, मऊ द्वारा अधिकारिता दिवस पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर में डा0 अज़ीज़ रोगियों का परीक्षण करते हुये – छाया गज़ट

8वाँ अधिकारिता दिवस .... दूसरे पेज से आगे

करायी जायें जो अभी तक प्राप्त नहीं है भारत सरकार भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा शिक्षा व अनुसंधान हेतु 21 जून 2011 को आदेश जारी किया था। कार्यक्रम का प्रारम्भ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीजर मैटी का स्मरण कर किया गया तत्पश्चात इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन आफ इण्डिया के बुन्देलखण्ड प्रभारी डा0 नरेन्द्र भूषण निगम ने कहा कि आज का दिन हम सबके लिए गौरव का दिन है क्योंकि आज के ही दिन उत्तर प्रदेश शासन ने शासनादेश जारी कर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में कार्य करने के लिए सारी बाधायें दूर करते हुए अधिकार प्रदान किया था अब आवश्यकता है कि हम अपने अधिकारों को समझें और पूर्ण रूपेण अधिकार के साथ कार्य करते हुए जनता की सेवा करें व जनस्वास्थ्य में अपनी भागीदारी सुरक्षित करें।

डा0 निगम में चिकित्सकों को आवाहन किया कि ऐसे लोग जो अपनी पद्धति के अतिरिक्त अन्य कोई पद्धति अपनाते है तो उन्हें तत्काल अपने में सुधार कर लेना चाहिये जब आपके पास पूर्ण अधिकार है तो उनका पूर्ण उपयोग करे तथा कभी भी अपने आप को किसी से कमतर न समझें। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बुन्देलखण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथी स्टडी सेन्टर के प्रभारी एवं सलाहकार डा0 गणेश सिहं विध्यार्थी ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपनी क्षमता का परिचय दें और विधिक सम्मत ढंग से व्यवस्थित होकर कार्य करें व अपना पंजीकरण अविलम्ब करा लें क्योंकि सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों के पंजीयन के क्रियान्वयन के लिए 24 सितम्बर 2018 जारी किया चुका है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डा0 मेहेर मधुर निगम, डा0एस0के0 चक्रवर्ती, नम्रता, कंचनगुप्ता,प्रियंका,डा0सुनीता,ि

बुन्देल खण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर, हमीरपुर मे अधिकारिता दिवस पर उपस्थित चिकित्सक एवं छात्र – छाया गज़ट

रचा ओमर,मनु यादव,डा0 प्रमोद आदि उपस्थित थे।

आजमगढ –अधिकारिता दिवस समारोह का शुभारम्भ करते हुए डा0 मो0 आमिर ने बताया कि आज के ही दिन 4 जनवरी,2012 को उत्तर प्रदेश शासन चिकित्सा विभाग –6 ने भारत सरकार के 21 जून,2011 के आदेश का पालन करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी को चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान की अनुमति प्रदान की थी। प्रबन्धक डा0 इफ्तिखार अहमद ने बताया कि जितने भी अधिकार हमें प्राप्त हुए है वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित करने के लिए सक्षम है प्राचार्य डा0 मुश्ताक अहमद ने बताया कि समय व परिस्थिति तीव्र गति से परिवर्तित हो रही है सम्भावनायें दिन प्रतिदिन बलवती होती जा रही है इसलिए हमें हर समय इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए तैयार रहना चाहिये डा0 रियाज अहमद ने अधिकारिता दिवस के बारे में विस्तारपूर्वक बताया प्रवक्ता डा0 रफत जहां ने बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी प्रगति के पथ पर अग्रसर है यह पैथी हानि रहित व विष रहित है एवं इसकी औषधियां जड़ीबूटियों से निर्मित की जाती है इस मौके पर इन्सटीट्यूट के स्टाफ छात्र छात्रायें एवं आमंत्रित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

वलीदपुर मऊ– स्थानीय नगर पंचायत वलीदपुर स्थित इलेक्ट्रो होम्योपैथी स्टडी सेन्टर में अधिकारित दिवस कार्यक्रम के अवसर पर एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जो 4 जनवरी,2020 से आरम्भ होकर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डा0 काउण्ट सीजर मैटी के जन्मोत्सव 11 जनवरी 2020 तक चलेगा इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर में क्वन्टम मैगनेटिक रिजोनेन्स एनालाइजर 4 जी मशीन द्वारा रोगियों की निःशुल्क जांच कर उन्हें औषधियां भी दी गयी। नित प्रति बड़ी संख्या में रोगी उपस्थित हुए इस अवसर पर उपस्थित लोगो को यह भी बताया गया कि 4 जनवरी 2012 को उत्तर प्रदेश शासन चिकित्सा विभाग– 6 द्वारा एक आदेश जारी किया गया था जिसके अनुसार इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान एवं विकास पर कोई रोक नहीं है इस अवसर डा अयाज अहमद ,डा0 अबुलकैश,डा0 नन्दलाल,डा0 नसीम,डा0 मो0 सलमानी,डा0 विजय कुमार एवं डा0 दिनेश आदि उपस्थित हुए इस अवसर पर डा0 अब्दुल अजीज की उपस्थित सराहनीय रही।

महाराजगंज– अधिकारिता दिवस के अवसर पर डी0एल0एम0मेडिकल स्टडी सेन्टर आफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी द्वारा बताया गया कि हाईकोर्ट के के आदेश पर 4 जनवरी 2012 को बोर्ड आफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 के पक्ष में आदेशित किया है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथ की चिकित्सा,शिक्षा एवं परीक्षण पर कोई रोक नहीं है इस अवसर को मनाते हुए डी0एल0एम0मेडिकल स्टडी सेन्टर आफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी नौतनवां द्वारा खुशी मेडिकेयर सेन्टर खैरारी पर एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें सभी लोगो की आधुनिक मशीनों द्वारा जांच करके मरीजों को तीन दिन की निःशुल्क दवा भी दी गयी इस शिविर में डा0 नेमा मद्धेशिया,डा0 निशा वर्मा,डा0 राहुल गुप्ता सहित चिकित्सक शिक्षार्थियों संध्या,साधना,अंकिता ,ममता,निशा,ज्योति,मधु,गुलप्शा, फातिमा, अफतरून,नीमा,जीनत,असलम, आशीष,आकाश एवं विजय आदि उपस्थित रहे शिविर में 215 मरीज देखे गये शिविर का समापन करते हुए बोर्ड आफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0 के प्रवक्ता डा0 प्रिन्स श्रीवास्तव ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को जन जन तक पहुचायेंगे तथा 4 जनवरी 2020 से 12 जनवरी 2020 तक अधिकारिता सप्ताह समारोह के रूप में मनाया जायेगा जिसमें निःशुल्क स्वास्थ्य की जांच,संगोष्ठी एवं रैली आदि का

सी0 पी0 ई0 एच0 मेडिकल इन्सटीटयूट चाँद पार आज़मगड़ द्वारा आयोजित 8 वें अधिकारिता दिवस के असर पर उपस्थित चिकित्सक व छात्र – छाया गज़ट

धनपत लाल मेमोरियल मेडिकल स्टडी सेन्टर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी, महाराजगंज द्वारा आयेजित चिकित्सा शिविर में दिनभर लगी रही रोगियों की भीड़ – छाया गज़ट

मैटी का 211 वाँ जन्मोत्सव प्रथम पेज से आगे

जौनपुर– भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जन्मदाता डा0 काउण्ट सीजर मैटी की जयन्ती मनायी गयी इस अवसर पर प्राचार्य डा0 प्रमोद कुमार मौर्या ने केक काटकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया डा0 मौर्या ने बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कैंसर जैसी बीमारी की भी चिकित्सा की जा रही है। डा0 अशोक विश्वकर्मा, डा0 आर0के0चित्रवंशी, डा0 शमीम अहमद,डा0 प्रीति मौर्या,डा0 एम0के0 अस्थाना आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में आये हुए लोगो का सन्दीप यादव ने आभार व्यक्त किया।

बी0एम0ई0 एच0 इन्सटीट्यूट जौनपुर के प्राचार्य डा0 प्रमोद कुमार मौर्या माईक से सम्बोधित करते –छाया गज़ट

रायबरेली– इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीजर मैटी का 211वां जन्मदिवस आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट एण्ड हास्पिटल छजलापुर में बडे धूमधाम से मनाया गया तथा चिकित्सकों ने उनके चित्र पर माल्यापर्ण कर श्रद्धांसुमन अर्पित किये इस अवसर पर इन्सटीट्यूट के प्राचार्य डा0 पी0एन0कुशवाहा ने कहा कि मैटी जी का जन्म 11 जनवरी,1809 को इटली के बोलोग्ना शहर में एक जंमीदार परिवार में हुआ था इनकी शिक्षा दीक्षा उच्चकोटि की हुई परन्तु उस समय की परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान का कृत लेकर इलेक्ट्रो होम्योपैथी का आविष्कार किया जो आज दुनिया के अनेक देशो में इसका प्रचार और प्रसार हो रहा है इस अवसर पर उप प्राचार्य डा0 रमेश कुमार द्विवेदी को मैटेरिया मेडिका तथा प्रैक्टिस आफ मेडिसिन की पुस्तक के लेखन पर उनको शाल भेटकर सम्मानित किया गया। डा0 द्विवेदी ने चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया डा0 त्रिलोक सिहं ने अपने वक्तव्य में कहा कि सभी चिकित्सकों को अपनी ही चिकित्सा पद्धति में प्रैक्टिस करना चाहिये।

इस अवसर पर डा0 रामपाल,डा0 राजेन्द्र सिंह,डा0 रामेन्द्र कुमार ,डा0 सत्यपाल वर्मा,डा0 राम आसरे ,सर्वश्री राकेश कुमार,श्रीकृष्ण ,छोटेलाल, सुनीलकुमार,जितेन्द्र कुमार,राम सजीवन,दयाराम विनोद कुमार, राम विशाल,विजय कुमार शर्मा आदि थे समारोह की अध्यक्षता रामदीन विश्वकर्मा ने की।

अयोध्या में मैटी जन्मोत्सव समारोह में डा0 अनिल कुमार श्रीवास्तव साथ में स्थानीय विधायक श्री वेद प्रकाश गुप्ता –छाया गजट

डी0 एल0 एम0 मेडिकल स्टडी सेन्टर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी में आयोजित मैटी के 211 वें जन्मोत्सव का मनमोहक दृश्य –छाया गज़ट

मैटी के 211वें जन्मोत्सव पर आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीटयूट के प्राचार्य डा0 पी0 एन0 कुशवाहा

वलीदपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर वलीदपुर मऊ में मैटी के चित्र पर माल्यापर्ण करते हुये सेन्टर के प्रमुख डा0 अयाज़ अहमद वलीदपुर – छाया गज़ट

मैटी के चित्र पर माल्यापर्ण करते सी0पी0ई0एच0 मेडिकल इन्सटीट्यूट आजमगढ़ का स्टाफ साथ में प्राचार्य डा0 मुश्ताक़ अहमद –छाया गज़ट

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक काउण्ट सीज़र मैटी के 211 वें जन्मोत्सव पर बोर्ड के प्रशासनिक कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम कैमरे की दृष्टि में।

महात्मा मैटी के 211 वें जन्मोत्सव पर डा0 अतीक अहमद रजिस्ट्रार बी0 ई0 एच0 एम0 यू0 पी0 इस प्रतीक्षा में कि किसे इस मंच पर शोभा बढ़ाने के लिये आमंत्रित किया जाये एवं बोर्ड के ऑडिटोरियम में सजा हुआ मंच, इस प्रतीक्षा में कि कौन इसकी शोभा बढ़ायेगा

डा० एम०एच० इदरीसी चेयरमैन **B.E.H.M.U.P.** मैटी को माल्यापर्ण करते हुये।

पास्टर विक्टर खोजी मैटी के 211 वें जन्मोत्सव पर माल्यापर्ण करते हुये—छाया गज़ट

बोर्ड की ओ0एस0डी0 डा0 शाहिना इदरीसी मैटी के चित्र पर माल्यापर्ण करते हुये

डा0 नन्द लाल सिन्हा के अंतिम शिष्य डा0 वाई0 आई0 खान मैटी के चित्र पर माल्यापर्ण करते हुये

Dr. Pramod Singh महात्मा मैटी को माल्यार्पण करते हुये

मैटी के 211 वें जन्म दिवस पर डा0 राम औतार कुशवाहा अपना स्नेह पुष्प अर्पित करते हुये

Dr. Udai Narayan महात्मा मैटी को माल्यार्पण करते हुये

माल्यार्पण करते हुये आर0 एल0 सविता

माल्यार्पण करते हुये टी0 पी0 गुप्ता

माल्यार्पण करते हुये डा0 अरुण कुमार अरोड़ा

माल्यार्पण करते श्री ज़फ़र इदरीसी – छाया गज़ट

पुष्प अर्पित करते हुये श्रीमती फ़रज़ाना – छाया गज़ट

डा0 मारिया इदरीसी पुष्प अर्पित करते हुये – छया गज़ट

बेबी समरा के साथ श्रीमती स्वालेहा अरबी माल्यार्पण करती हुयी।

पुष्प अर्पित करते श्री मो0 वसीम – छाया गज़ट

स्नेह पुष्प अर्पित करते मैटी के फालोअर व इलेक्ट्रो होम्योपैथी के एक प्रेमी – छाया गज़ट

डा0 अतीक अहमद महात्मा मैटी को सुमन अर्पित करते हुये

डा0 नन्द लाल सिंहा के अंतिम शिष्य डा0 वाई0 आई0 खान अपने संस्मरण सुनाते हुये – छाया गज़ट

डा0 राम औतार कुशवाहा प्रवक्ता बी0के0ई0एच0 मेडिकल इन्सटीट्यूट अपने संस्मरण सुनाते हुये – छाया गज़ट

पुष्प अर्पित करते श्रीमती रिफ़त जहाँ

डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा डा0मैटी को पुष्प अपिर्तत करते हुये

डा0 टी0 पी0 गुप्ता अपनी स्टूडेन्ट लाईफ बताते हुये – छाया गज़ट

डा0 प्रमोद सिंह प्राचार्य बी0के0ई0एच0 मेडिकल इन्सटीट्यूट अपने संस्मरण सुनाते हुये – छाया गज़ट

डा0 अखिलेश यादव मैटी को अपने पुष्प अर्पित करते हुये

डा0 अरुण कुमार अरोणा अपने विचार व्यक्त करते हुये

डा0 वी0 के0 साहू इलेक्ट्रो होम्यापैथी से प्रैक्टिस करने पर ज़ोर देते हुये – छाया गज़ट

डा0 अखिलेश यादव अपने अनुभवों को श्रोताओं से साझा करते हुये – छाया गज़ट

बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0एच0 इदरीसी " वह दिन दूर नहीं जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी का सरकारीकरण होगा "

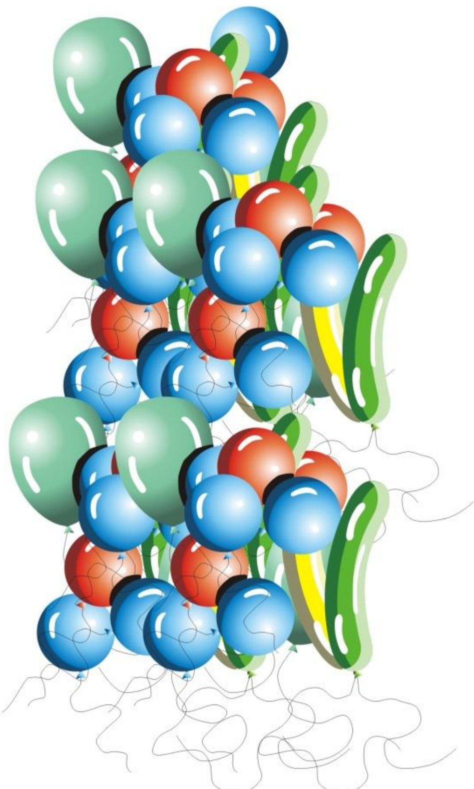

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक महात्मा मैटी के जन्म दिन पर केक का दृष्य बायें से दायें **O.S.D.** श्रीमती शाहनिा इदरीसी, चंयरमैन डा0 एम0एच0 इदरीसी एवं पास्टर विक्टर खोजी

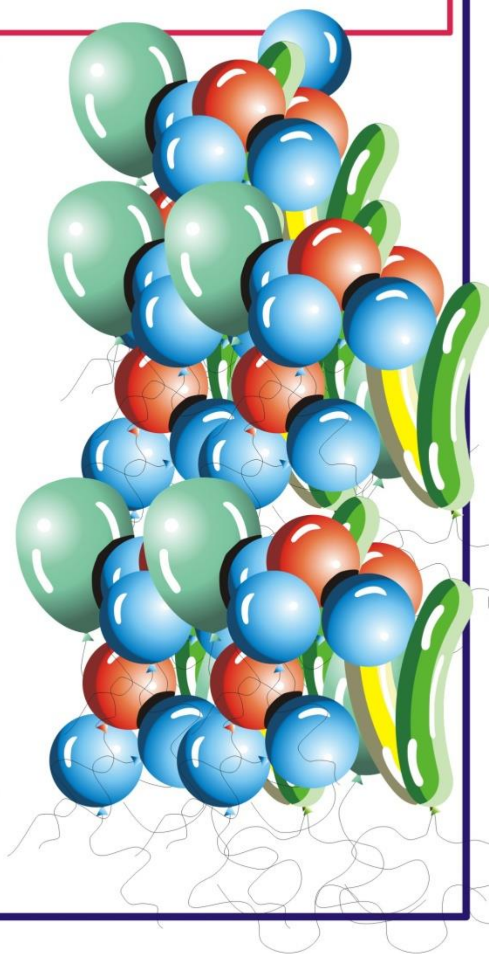

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 211 वें जन्मोत्सव के अवसर पर केक काटने से पूर्व परम्परानुसार डा0 एम0एच0 इदरीसी चेयरमैन **B.E.H.M.U.P.**, डा0 श्रीमती शाहिना इदरीसी, बोर्ड के समस्त स्टाफ आये हुये अतिथिगण एवं श्रोतागण पास्टर विक्टर खोजी के साथ प्रार्थना करते हुये – छाया गज़ट

पास्टर विक्टर खोजी डा० एम०एच० इदरीसी चेयरमैन **B.E.H.M.U.P.** को मैटी के जन्मोत्सव का केक खिलाते हुये एवं डा० एम० एच० इदरीसी श्रीमती शाहिना इदरीसी को जन्म दिन का केक खिलाते हुये। बेबी फ़िलज़ा अरबी अपने नाना को केक खिलाने का प्रयास करते हुये।

पास्टर विक्टर खोजी को जन्म दिवस का केक खिलाते हुये डा0 एम0एच0 इदरीसी चेयरमैन **B.E.H.M.U.P.** एवं बच्चों के साथ पास्टर विक्टर खेजी व डा0 इदरीसी केक खिलाते हुये।

मैटी के 211वें जन्म दिवस के अवसर पर दूर–दूर से आये हुये सहभागी व श्रोता गण , इन लोगों ने जन्मोत्सव को एक त्योहार का रुप दे डाला यहां पर चाहे छोटा हो या बड़ा युवक हो अथवा वृद्ध सभी को एक प्रसन्नता का आभास हो रहा था –छाया गज़ट